लघु उद्योगों में निवेश का कम किया जाना

2360. **श्री रमा शंकर कौशिक** : क्या उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगें कि :

(क) क्या सरकार लघु उद्योगों में निवेश की सीमा को कम करने पर विचार कर रही हैं;

(ख) यदि हां, तो इस संबंध में ब्यौरा क्या हैं?

उद्योग मंत्री (श्री सिकन्दर बख्त): (क) और (ख) 29.4.98 को सम्पन्न लघु उद्योग भारती समारोह में प्रधानमंत्री ने यह घोषणा की थी कि लघु उघोग एककों के लिये निवेश सीमा को 3 करोड़ रूपये से घटाकर 1 करोड़ रूपये किया जायेगा। प्रधानमंत्री की घोषणा पर अनुवर्ती कार्रवाई की जा रही हैं।

प्रधानमंत्री द्वारा लघु उद्योगों को आश्वासन

2316. **श्री जनार्दन यादव** : क्या उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार को प्रधान मंत्री द्वारा लघु और मझोले उद्योगों को दिये गये आश्वासन की जानकारी हैं;

(ख) क्या इसे कार्यान्वित करने के लिए कोई कदम उठाये गये हैं; और

(ग) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उद्योग मंत्री (श्री सिकन्दर बख्त) : (क) से (ग) 29.4.98 को सम्पन्न लघु उद्योग भारती समारोह में, प्रधानमंत्री ने यह घोषणा की थी कि लघु उद्योग एककों के लिये निवेश सीमा को 3 करोड़ रूपये से घटाकर 1 करोंड़ रूपये किया जायेगा। आवश्यक प्रधानमंत्री की घोषणा पर अनुवर्ती कार्रवाई की जा रही हैं।

Dclicensing of Sugar Industry

2362. SHRI AKHILESH DAS:
DR. KARAN SINGH:

Will the Minister of INDUSTRY be pleased to state:

(a) whether Government have lately decided to delicense the sugar industry;

(b) if so, what factors and reasons have led to this decision; and

(c) the extent of sugar-cane that was left uncrushed during 1995-96, 1996-97 and 1997-98 but for non-availability of crushing and processing capacity of sugar mills?

THE MINISTER OF INDUSTRY (SHRI SIKANDER BAKHT): (a) and (b) Yes, Sir. Government has delicensed the sugar industry with the objective to allow greater freedom to entrepreneurs to take investment and technology decisions in the industrial sector which would contribute to faster industrial growth.

(c) As per the information received from the Government of Maharashtra, 13.68 lakh tonnes of cane remained un-crushed in the sugar season 1995-96 for which the State Government compensated the concerned farmers @ Rs.5000/-per acre. No such case was reported by any other State during the period 1995-96 to 1997-98.

नमक विक्रय व्यापार में बड़े उद्योग

2363. **श्री राज मोहिन्दर सिंह** :

श्री बलवन्त सिंह रामूवालिया :

क्या उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच हैं कि सरकार द्वारा बड़े उद्योगों को देश में नमक-विक्रय उद्योग में कारोबार करने की अनुमति प्रदान कर दी गई हैं;

(ख) यदि हां, तो सरकार द्वारा यह अनुमति किस तारीख को दी गई थी और यह अनुमति देते समय क्या-क्या शर्तें स्वीकार की गई थी;

(ग) क्या यह भी सच हैं कि वर्तमान में देश में अनेक बड़े उद्योगपति नमक में कार्यरत हैं; और

(घ) यदि हां, तो उनके नाम क्या-क्या हैं तथा इन बड़े उद्योगपतियों द्वारा देश के कुल नमक व्यापार का कितना भाग व्यापारिक दृष्टि से उपयोग करके व्यापार किया जा रहा हैं?

उद्योग मंत्री (श्री सिकन्दर बख्त) : (क) और (ख) देश में नमक का व्यापार करने के लिए सरकार की अनुमतित ली जानी अपेक्षित नहीं हैं। तथापि, बड़े उद्योग जिन्होने अपनी ग्रहीत औद्योगिक आवश्यकताओं के लिए नमक विनिर्माण हेतु नमक वर्क्स स्थापित किए हैं, उन्हें उपलब्ध फालतू नमक को घरेलू बाजार में बिक्रि के लिए जारी करने के लिए उक्त स्टाक के मामले में नमक आयुक्त की पूर्वानुमति लेनी आवश्यक होती हैं। ऐसी अनुमति केवल समयवधि में एक उपाय के रूप में